भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1438**

उत्तर देने की तारीख 28 जुलाई, 2022

6 श्रावण, 1944 (शक)

# महिलाओं के खेल के लिए फंड

**1438 श्रीमती फूलो देवी नेतमः**

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान महिला खेलों की स्थिति में सुधार के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान महिला खेलों के लिए आवंटित राशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है।

(ग) क्या सरकार ने महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) और (ख): खेल विभाग की सभी स्कीमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए हैं और सभी खिलाड़ियों की जरूरतों को समान रूप से पूरा करती हैं । तथापि, खेलो इंडिया स्कीम का "महिलाओं के लिए खेल" नामक एक घटक विशेष रूप से महिलाओं के बीच खेलों को बढ़ावा देने के लिए है । इस घटक के तहत राष्ट्रीय खेल परिसंघों के सहयोग से विभिन्न खेल विधाओं में महिला लीगों का आयोजन किया जाता है, ताकि खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जा सके, विभिन्न आयु वर्ग की महिला एथलीटों की प्रतिभा पहचान करने और उन्हें प्रतियोगिता एक्सपोजर प्रदान करने के लिए लीग का उपयोग एक मंच के रूप में किया जा सके । पिछले पांच वर्षों के दौरान इस घटक के तहत जारी धनराशि का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

(करोड़ रु.)

| 2018-19 | 2019-20 | 2020-21 | 2021-22 | 2022-23 |
|---|---|---|---|---|
| 2.20 | 9.50 | 2.34 | 5.00 | 2.22 |

इसके अलावा, देश में प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों के बीच खेल के संवर्धन पर विशेष जोर देने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) और तीन साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) स्थापित किए हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

1. एनसीओई धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में 33 महिला एथलीट (एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल)
2. एसटीसी बादल (पंजाब) में 47 महिला एथलीट (एथलेटिक्स, हॉकी और वॉलीबॉल)
3. एसटीसी टेलिचेरी (केरल) में 95 महिला एथलीट (एथलेटिक्स, फेंसिंग, जिमनास्टिक, वॉलीबॉल और कुश्ती)
4. एसटीसी सोलालगांव में 54 महिला एथलीट (मुक्केबाजी, फुटबॉल और भारोत्तोलन)
5. एसटीसी वाराणसी के तहत निम्नलिखित दो विस्तार केंद्र हैं:
    (i) निवेदिता गर्ल्स इंटर कॉलेज में 12 महिला एथलीट (कुश्ती)
    (ii) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में 32 महिला एथलीट (एथलेटिक्स, बॉक्सिंग) ।

इसके अलावा, साई की खेल संवर्धन स्कीमों के तहत देश भर में कुल 3146 महिला एथलीटों को प्रशिक्षित किया गया है । इसके अलावा, खेलो इंडिया स्कीम के "प्रतिभा पहचान और विकास" घटक के तहत, देश भर में 1374 महिला एथलीटों को प्रशिक्षित किया जा रहा है और उन्हें अधिकतम 6,28,400/- रु. की दर से (1,20,000 /-रु. आउट ऑफ पॉकेट भत्ता सहित) वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है ।

उपरोक्त के अलावा लक्ष्य ओलंपिक पोडियम स्कीम के तहत महिला खेलों के लिए आवंटित राशि का विवरण इस प्रकार है:

(राशि करोड़ में)

| 2017-18 | 2018-19 | 2019-20 | 2020-21 | 2021-22 |
|---|---|---|---|---|
| 106.66 | 137.10 | 133.94 | 102.73 | 52.93 |

(ग) और (घ): महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और रहने, अध्ययन और प्रशिक्षण के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए, साई के पास यौन उत्पीड़न के मामलों को रोकने और उनका निवारण करने के लिए एक मजबूत प्रणाली है:

1. प्रत्येक साई क्षेत्रीय केंद्र और शैक्षणिक संस्थान में एक आंतरिक शिकायत समिति होती है, जिसमें एक वरिष्ठ महिला अधिकारी समिति की अध्यक्ष होती हैं। सदस्यों में एक स्थानीय एनजीओ की एक महिला अधिकारी और साई की महिला अधिकारी शामिल हैं।
2. एथलीटों को यौन उत्पीड़न के मुद्दों के बारे में जागरूक करने और उन्हें शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु, हर क्षेत्र में नियमित रूप से स्थानीय भाषाओं में कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।
3. शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक टोल फ्री कॉल सेंटर चौबीसों घंटे काम कर रहा है ।
4. महिला कोच/महिला प्रबंधक बाहरी दौरों पर टीम के साथ जाती हैं।
5. सभी साई केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं । परिसर / छात्रावास क्षेत्रों और खेल क्षेत्रों में अन्य गतिविधियों को भी सीसीटीवी निगरानी के तहत कवर किया गया है।

इसके अलावा, सभी हितधारकों को जागरूक करके एक सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए साई द्वारा एक विस्तृत परिपत्र जारी किया गया है कि खेल भावना के मूल मूल्यों और उचित नैतिक आचरण के अनुरूप सभी प्रतिभागियों की ओर से हर समय, उचित व्यवहार की अपेक्षा है ।

****